देवरी
नगर परिचय

1– स्थिति :–

देवरी नगर मध्यप्रदेश राज्य के सागर जिले के अंतर्गत स्थित है,जो जिला मुख्यालय सागर से 64 किलो मीटर की दूरी पर राष्ट्रीय राज्य मार्ग कमांक–26 पर स्थित है। यह नगर 21–45′ उत्तरी अंक्षाश तथा 80–85′ पूर्वी देशांतर पर समुद्र सतह से 360 मी0 की ऊॅचाई पर स्थित है। नगर रेल मार्ग से जुड़ा हुआ नहीं है, यहॉ से समीपस्थ रेल्वे स्टेशन सागर है, जो कि बीना– कटनी सेक्शन पर स्थित है।

देवरी नगर सुखचैन नदी के तट पर बसा हुआ है।

2– नगर पालिका क्षेत्रः–

वर्तमान में देवरी नगर पालिका क्षेत्र में 15 वार्ड है। नगर पालिका देवरी के वार्डो की सूची एवं जनसंख्या नीचे दर्शायी गयी हैः–

देवरी : नगर पालिका वार्ड एवं जनसंख्या

वार्ड कमांक	वार्ड का नाम	जनसंख्या (2011)
1	2	3
1.	बाजार वार्ड	1561
2.	अम्बेडकर वार्ड	1207
3.	शास्त्री वार्ड	1134
4.	तिलक वार्ड	2347
5.	खण्डेराव वार्ड	1786
6.	जवाहर वार्ड	1912
7.	कौ0कि0 वार्ड	1776
8.	सुभाष वार्ड	1335
9.	महाकाली वार्ड	1584
10.	लक्ष्मी वार्ड	1279
11.	गॉधी वार्ड	1736
12.	सुखचैन वार्ड	1568
13.	पृथ्वी वार्ड	1129
14.	पटैल वार्ड	1753
15.	झुनकू वार्ड	3399
योगः–		25,506

स्त्रोत :– जनगणना 2011

3– **निवेश क्षेत्र :–**

देवरी नगर के भावी विकास को सुनियोजित रूप से विकसित करने के उद्देश्य से म0प्र0 नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम 1973 की धारा 13(1) के अंतर्गत म0प्र0 शासन आवास एवं पर्यावरण विभाग की अधिसूचना क0 4206/5221 / बत्तीस/77, भोपाल दिनांक 03.11.1977 द्वारा देवरी निवेश क्षेत्र का गठन किया गया । निवेश क्षेत्र के अंतर्गत नगर के आस–पास के 19 ग्रामों को भी सम्मिलित किया गया है।

निवेश क्षेत्र में सम्मिलित ग्रामों की सूची निम्न सारणी में दर्शायी गई है:–

देवरी : निवेश क्षेत्र

कमांक	ग्राम का नाम	क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	जनसंख्या (2001)
1	2	3	4
1.	रजौला	739.72	301
2.	घुघरी	232.12	221
3.	कांसखेड़ा	556.84	851
4.	डमारावीर	258.51	563
5.	दुलतरा	368.94	950
6.	टिकरिया	207.87	–
7.	छीर	236.23	256
8.	फुलर	157.88	1353
9.	चिरचिटा	138.24	80
10.	मुवार खास	436.04	146
11.	बहेरिया	157.22	1577
12.	वेरदाना	559.29	474
13.	सेमराखेरा	306.56	1693
14.	खिलारी	433.48	–
15.	झुनकू	220.51	2296
16.	पडराईनोन	148.96	133
17.	समनापुर सेठ	322.04	570
18.	समनापुर जाधो	165.77	199
19.	रामादेही	–	–

4— ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः—

देवरी नगर एक प्राचीन नगर है इसकी स्थापना 17बी शताब्दी में चंदेल राजा द्वारा की गई थी। देवरी नगर का ऐतिहासिक नाम रामगढ़ एवं उजारगढ़ भी रहा है।

5— नगर की अर्थव्यवस्था :—

देवरी सागर जिले में बुन्देलखण्ड अंचल के अंतर्गत आता है यहॉ औद्योगीकरण तथा शहरीकरण की कमी है। लोगों का प्रमुख व्यवसाय कृषि है।

6— अभ्यारण्य एवं वनः—

देवरी नगर के समीप वन्य प्राणी अभ्यारण्य है, जो " नौरादेही वन्य प्राणी अभ्यारण्य " के नाम से जाना जाता है। उक्त अभ्यारण्य का क्षेत्रफल लगभग 103.62 वर्ग किलो मीटर है। यहॉ सांभर, चीतल, नीलगाय एवं कृष्णामृग आदि वन्यजीव पाये जाते है।

यहॉ के वनों में सागौन एवं तेंदू के वृक्ष बहुतायत मात्रा में पाये जाते है।

7— वर्तमान भूमि उपयोग :—

देवरी नगर का वर्तमान भूमि उपयोग निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है :—

देवरी : वर्तमान भूमि उपयोग

कंमाक	भूमि उपयोग वर्गीकरण	नगर पालिका क्षेत्र (हेक्टे0 में)
1.	2.	3.
1.	आवासीय	85.00
2.	वाणिज्यिक	7.00
3.	सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक	22.00
4.	आमोद—प्रमोद	2.50
5.	यातायात एवं परिवहन	460.00
6.	जलाशय	45.00
योगः—		621.50

8– प्रस्तावित भूमि उपयोग :–

देवरी नगर के भावी विकास के उद्देशों को ध्यान में रखते हुये भूमि के विवेकपूर्ण एवं सक्षम उपयोग हेतु संरचना योजना तैयार की गई है, जिसका प्रस्तावित भूमि उपयोग निम्नलिखित सारणी में दर्शाया गया है:–

देवरी : प्रस्तावित भूमि उपयोग

कमांक	भूमि उपयोग	प्रस्तावित क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)
1.	2.	3.
1	आवासीय	230.00
2.	वाणिज्यिक	3.75
3.	सार्वजनिक एवं अर्द्ध सार्वजनिक	11.00
4.	आमोद–प्रमोद	0.64
5.	यातायात एवं परिवहन	12.00
योग:–		257.39

9– प्रस्तावित मार्ग:–

संरचना योजना में कुछ मार्ग भी प्रस्तावित किये गये है जिनकी चौड़ाई 18.00 मीटर एवं 12.00 मीटर प्रस्तावित की गई है।

संयुक्त संचालक
नगर तथा ग्राम निवेश
जिला कार्यालय सागर